www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 315 | जौनपुर सोमवार, 06 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

धार्मिक मुद्दों के बजाय जनता के मुद्दों पर ध्यान दे उत्तर प्रदेश सरकार – राजेंद्र पाल गौतम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसकी सरकारें विकास के बजाय धार्मिक और सांप्रदायिक मुद्दों को प्राथमिकता देती हैं। कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, ष्मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पार्टी हिंदू–मुस्लिम मुद्दों के अलावा कुछ नहीं जानती। उन्हें सरकार चलाने का तरीका नहीं आता। उनके नेताओं की भाषा देश को जोड़ने वाली नहीं, बल्कि बांटने वाली होती है।ष उन्होंने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी के मामले का उल्लेख करते हुए कहा, ष्सरकार के कार्यकाल में भी मंदिरों में चोरी की घटनाएं हुई हैं, जिससे लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने अब तक क्या कदम उठाए हैं।ष कांग्रेस नेता ने उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न्यायिक प्रक्रिया के बजाय कठोर पुलिस कार्रवाई पर अधिक भरोसा करती है। उन्होंने कहा, ष्सरकार को कानून और न्यायपालिका पर विश्वास होना चाहिए। केवल सख्त कार्रवाई की बात करने से कानून–व्यवस्था मजबूत नहीं होती।

गरीबों के पैसों पर मौज कर रही है झारखंड सरकार – रघुबर दास

रांची, (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुबर दास ने झारखंड सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य में कानून–व्यवस्था की बदहाली और निवेश की संभावनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। साथ ही राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत दिशा की पूरी कमी का आरोप लगाया। राजनीतिक विश्लेषण सेवा रांची में मीडिया से बातचीत करते हुए रघुबर दास ने कहा कि पिछले तीन–चार दिनों से मीडिया में खबरें आ रही हैं कि सत्तारूढ़ दल के लोग आपस में ही संघर्ष कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कौन सा निवेशक झारखंड में आएगा? उन्होंने कहा, "यहां मंत्री और अधिकारी आपस में लड़ रहे हैं। डबल इंजन वाली सरकार में कानून–व्यवस्था की स्थिति मजबूत थी। त्वरित कार्रवाई होती थी। इस सरकार में न तो नीति है और न ही नियत। रघुबर दास ने आरोप लगाया कि झारखंड की वर्तमान सरकार गरीब जनता के पैसों पर मौज–मस्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के अंदर चल रहे कलह और अस्थिरता के कारण राज्य की छवि खराब हो रही है, जिससे विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं और निवेशकों का विश्वास टूट रहा है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 125वें जयंती वर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे भारत माता के महान सपूत थे। उन्होंने स्वतंत्रता के आंदोलन में सहयोग दिया, देश के निर्माण में सहयोग दिया और राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

जयंती पर याद किए गए श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सीएम योगी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्क रोड स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल में सीएम ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आज का पश्चिम बंगाल यदि भारत का हिस्सा है, तो उसमें जिन नेताओं ने खुद को समर्पित करके उस आंदोलन का हिस्सा बनाया था, उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम प्रमुखता से आता है। स्वतंत्र भारत में देश के खाद्य और उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने देश में खाद्य और उद्योग नीति को प्रमुखता के साथ लागू किया। सीएम ने कहा कि जब नेहरू सरकार देश की अखंडता के लिए खतरा बनी तो डॉ. मुखर्जी देश की सत्ता को तिलांजलि दे दी। इसके बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान का उद्घोष करते हुए कश्मीर की परमिट प्रणाली का विरोध किया। इस पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। कश्मीर में ही उनकी मौत हो जाती है।

सीटों के गणित में न उलझें चुनाव जीतने के लिए लड़ें – नितिन नवीन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यूपी में एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं से भी मिलकर 2027 में जीत दर्ज करने पर मंथन किया। अपना दल (एस), सुभासपा, निषाद पार्टी और रालोद के नेताओं से अलग–अलग हुई मुलाकात में सीटों के बंटवारे पर तो कोई बात नहीं हुई, लेकिन उन्होंने अपील की कि सीटों के गणित में उलझने के बजाय हम सभी मिलकर 2027 में चुनाव जीतने के लिए काम करें। गोमती नगर स्थित एक होटल में भाजपा अध्यक्ष ने अपना दल (एस) के आशीष पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और रालोद के त्रिलोक त्यागी से मुलाकात में सियासी हालात और चुनावी तैयारियों की जानकारी ली। पहले उन्होंने सभी दलों के मुखिया से अलग–अलग भेंट की और बाद में एक सामूहिक बैठक करके चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी दलीय नेताओं से सुझाव लिया और आश्वस्त किया कि सभी दलों के सम्मान का ख्याल रखा जाएगा और उनको उचित भागीदारी भी दी जाएगा। भाजपा अध्यक्ष दलीय नेताओं को यह सुझाव भी दिया कि सिर्फ सीटें बढ़ाने से नहीं, बल्कि जिताऊ उम्मीदवारों का भी चयन करना ज्यादा जरूरी है।

स्वच्छ परिवहन और हरित भविष्य हमारी प्राथमिकता – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का उद्देश्य प्रदूषण से निपटने, स्वच्छ गतिशीलता को मजबूत करने और राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों को परिवहन का पसंदीदा साधन बनाने के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करना है। उन्होंने नीति को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए कहा कि इसे न केवल खरीद प्रोत्साहन, बल्कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, वाहन स्क्रैपिंग, ई–कचरा प्रबंधन और दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सोमवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ष्दिल्ली शहर के लिए इलेक्ट्रिक वाहन नीति एक बहुत बड़ी आवश्यकता थी। इसे एक ऐसे ढांचे में लाना महत्वपूर्ण था जो संपूर्ण समाधान प्रदान करे। अब जब हमने इस पॉलिसी को जनता के समक्ष रखा, तो हमने न केवल सब्सिडी प्रदान की है, बल्कि स्क्रैपिंग इंसेंटिव देने, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान केंद्रित करने, अनिवार्यताओं को लागू करने और ई–कचरा संयंत्र के लिए एक संपूर्ण योजना तैयार करने का भी काम किया है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन ने धूल नियंत्रण, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने सहित कई मोर्चों पर काम किया है।

तीन देशों के दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी

न्यूजीलैंड, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के त्रिपक्षीय दौरे के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी, महासागर विजन के साथ–साथ एक स्वतंत्र और खुले इंडो–पैसिफिक के प्रति भारत के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगी। उनके प्रस्थान वक्तव्य में कहा गया कि मैं 6 से 11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की त्रिपक्षीय यात्रा पर जा रहा हूं। इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर, मैं 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया में रहूंगा। 2018 में मेरी पहली इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया था। द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत करने के बाद यह मेरी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। यह राष्ट्रपति प्रबोवो की राजकीय यात्रा के बाद हो रही है, जो 26 जनवरी, 2025 को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। बयान में कहा गया है श्भारत और इंडोनेशिया के बीच मजबूत सभ्यतागत और जन–संबंध हैं। मेरी यह यात्रा हमारी बहुआयामी साझेदारी के सभी पहलुओं को और गहरा करेगी। इस यात्रा के दौरान, मैं इंडोनेशिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत करूंगा। राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रंबानन मंदिर परिसर का दौरा करूंगा, जो हमारे घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों का एक और उल्लेखनीय प्रमाण है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के निमंत्रण पर ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। उन्होंने अपने बयान में कहा श्ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री माननीय एंथोनी अल्बानीज के निमंत्रण पर मैं इंडोनेशिया से मेलबर्न की यात्रा पर रहुंगा। यह यात्रा हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री अल्बानीज के साथ मेरी चर्चा में रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, शिक्षा एवं आवागमन तथा जन–संबंधों के क्षेत्र में हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

बंगाल, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना भी कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस में बड़ा सियासी उठापटक देखने को मिली है। इसकी शुरुआत विधानसभा से हुई और राज्यसभा से होते हुए लोकसभा तक पहुंची। पार्टी के राज्यसभा सदस्यों की बात करें तो, सबसे पहल 8 जून को पार्टी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद शुखेंदु शेखर रॉय ने अपने पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दिया। इसके बाद 10 जून को सुष्मिता देव ने निजी कारणों से इस्तीफा सौंपा फिर इसके एक दिन बाद 11 जून को राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने भी पद का त्याग किया था। इनके कार्यकाल की बात करें, तो शुखेंदु शेखर रॉय और प्रकाश चिक बराइक का कार्यकाल 18 अगस्त 2029 तक, सुष्मिता देव का कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक था। चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात की मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। यह सीट भाजपा के आठ बार के विधायक योगेश पटेल के निधन के बाद 2 जून को खाली हुई थी। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई को होगी, जबकि उम्मीदवार 16 जुलाई तक अपना नाम वापस ले सकेंगे।

सहकारिता मंत्रालय के 5 साल पूरे, पीएम मोदी के फैसले से आंदोलन को मिला नया जीवन – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इस खास मौके पर केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और बताया कि कैसे इसकी शुरुआत हुई? केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ही के दिन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय को केंद्र सरकार में प्रस्तावित करने का काम किया था। सभी सहकारिता सदस्यों की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री के इस फैसले ने सहकारिता आंदोलन को नए चरण में ले जाने का काम किया है। 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे को जाना गया। लेकिन, प्रधानमंत्री ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को नया प्राण देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुताबिक, आज की तारीख में सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम आपको अपने मंत्रालय की उपलब्धियों से अवगत कराएं। साथ ही, अपनी भावी रोडमैप के बारे में भी बताएं। जब केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जा रहा था, तब कई लोग इसका विरोध कर रहे थे। विरोधियों का कहना था कि सहकारिता मंत्रालय राज्य का विषय है, लिहाजा केंद्र सरकार को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

नेतन्याहू के `भारत के समर्थन' वाले दावे पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू द्वारा भारत से समर्थन मिलने का दावा किए जाने के बाद देश में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस बयान को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नेतन्याहू का यह दावा सही नहीं है कि पूरा भारत इस्राइल के साथ खड़ा है। उनके अनुसार, भारत की जनता और देश की ऐतिहासिक विदेश नीति को किसी एक राजनीतिक रुख से नहीं जोड़ा जा सकता।राजनीतिसोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में जयराम रमेश ने कहा कि इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी भारत की सभ्यतागत विरासत और नैतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान हमेशा शांति, न्याय और मानवीय मूल्यों का समर्थन करने वाले देश के रूप में रही है। ऐसे में मौजूदा पश्चिम एशिया संकट पर सरकार का रुख कई सवाल खड़े करता है।कांग्रेस नेता ने कहा कि नेतन्याहू का यह कहना कि भारत इस्राइल के साथ खड़ा है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही प्रधानमंत्री मोदी का झुकाव इस्राइल की ओर दिखाई देता हो, लेकिन देश के करोड़ों नागरिक गाजा में जारी हिंसा, फलस्तीनी नागरिकों के विस्थापन, ईरान पर हमलों और दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियानों को लेकर चिंता व्यक्त करते हैं। रमेश के अनुसार, इन घटनाओं को केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि मानवता से जुड़े गंभीर मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए।

अंबेडकर नगर के सपूत व हरदोई जिले मे तैनात एमपी सिंह पीपीएस से बने आईपीएस,डीजीपी ने कंधों पर सजाए सितारे

ब्यूरो चीफ राजेश कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या।वर्षों की अथक मेहनत, अनुशासन,ईमानदारी और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम आखिरकार उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में सामने आया, जब अंबेडकर नगर जनपद के मूल निवासी एवं वर्तमान में हरदोई में तैनात पीपीएस अधिकारी एमपी सिंह को आईपीएस का गौरव प्राप्त हुआ।उत्तर प्रदेश के डीजीपी द्वारा आयोजित गरिमामय पिपिंग समारोह में उनके कंधों पर आईपीएस के सितारे सजाए गए। यह केवल पीपीएस अधिकारी एमपी सिंह के लिए पदोन्नति नहीं,बल्कि उनके कार्यसंस्कृति का सम्मान रहा जो कानून के राज,निष्पक्ष पुलिसिंग और जनता के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।मालूम हो कि पीपीएस अधिकारी एमपी सिंह अयोध्या, मथुरा सहित अन्य जिलों मे तैनात रहे। इस समय वे हरदोई जनपद में तैनात है। जिस भी जिले में वे तैनात रहे उस जिले मे अपराध नियंत्रण, कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाने, संवेदनशील पुलिसिंग तथा आम नागरिकों के प्रति सकारात्मक व्यवहार को अपनी पहचान बनाया। कठिन परिस्थितियों में भी निष्पक्ष निर्णय, ईमानदार कार्यशैली और कर्तव्य के प्रति समर्पण ने उन्हें पुलिस विभाग में अलग पहचान दिलाई। यही कारण है कि उनकी पदोन्नति को पुलिस महकमे के साथ–साथ आमजन भी एक प्रेरणादायक उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं।उनकी सफलता यह संदेश देती है कि ईमानदारी, धैर्य, अनुशासन और निरंतर कर्म ही व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं।यह उपलब्धि अंबेडकर नगर सहित पूरे प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा है कि कठिन परिश्रम और सेवा भावना का सम्मान एक दिन अवश्य मिलता है।वर्तमान में हरदोई में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे आईपीएस एमपी सिंह से लोगों को उम्मीद है कि वे भविष्य में भी कानून–व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाते हुए अपराध मुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और शुभचिंतकों, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

संपादकीय

मजाक से आगे

डॉ. मोइत्रयी दास द्वारा एक महिला की शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन पर हंसने के लिए लोगों से भरे कमरे में क्या करना होगा? जाहिर है, इसमें ज्यादा समय नहीं लगता। बस एक माइक्रोफोन, एक हास्य कलाकार जो इसे बढ़ावा देने को तैयार है, और एक ऐसी संस्कृति जो लंबे समय से चुपचाप इस क्षण का निर्माण कर रही है। हममें से कई लोगों ने प्रणित मोरे के कॉमेडी शो की वायरल क्लिप देखी है, जहां 23 वर्षीय हिमांशु जांगड़ा एक महिला से शारीरिक अंतरंगता की उम्मीद करने के बारे में बात करता है क्योंकि उसने उसके लिए बिरयानी पर 370 रुपये खर्च किए थे और ष्पैसा वसूल करना था। मोर न केवल उसकी प्रशंसा करता है, बल्कि उसे 5,000 रुपये का इनाम भी देता है क्योंकि उसने ष्शो को सफल बनाया।

दर्शकों पर प्रकाश डालना जबकि जांगड़ा और मोरे दोनों के कार्यों के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है, पहेली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मुख्यधारा की बातचीत से गायब है – दर्शक जो हँसे, ताली बजाई और बातचीत को प्रोत्साहित किया, कमरे में और ऑनलाइन दोनों, और यह उन मान्यताओं के बारे में क्या कहता है जिनके साथ हम पले–बढ़े हैं। जांगड़ा उन मान्यताओं तक अकेले नहीं पहुंचे। उन्हें उस संस्कृति से सिखाया गया था जिसने सटीक परिस्थितियों का निर्माण करने में दशकों का समय बिताया है, जिससे लोगों से भरे कमरे में एक महिला की ष्नहींष को पंचलाइन के रूप में सुना जा सके। यहां एक उपयोगी लेंस पूर्वाग्रहित आदर्श सिद्धांत पर थॉमस फोर्ड का काम है। इसमें कहा गया है कि सेक्सिस्ट चुटकुले मौजूदा दृष्टिकोणों को प्रतिबिंबित करने से परे जाते हैं और सक्रिय रूप से ऐसी संरचनाएं बनाते हैं जो उन दृष्टिकोणों को अनुमति देते हैं। अपने प्रयोगों के माध्यम से, फोर्ड (2000) ने पाया कि जो लोग पहले से ही शत्रुतापूर्ण लिंगवाद से ग्रस्त थे, जब वे लिंगवादी हास्य के संपर्क में आए तो उन्होंने लिंग भेदभाव के प्रति बढ़ी हुई सहनशीलता प्रदर्शित की। यह सूक्ष्म तरीकों से काम करता है. जब हम किसी बात पर एक साथ हंसते हैं, तो हम स्पष्ट रूप से अपने आलोचनात्मक निर्णय को त्यागने और एक ऐसे स्थान में प्रवेश करने के लिए सहमत होते हैं जहां जो व्यक्त किया जा रहा है उसे स्वीकार्य और सामान्य माना जाता है। इसके बाद यह सवाल उठता है कि जांगड़ा, मोरे और दर्शकों ने इतनी आसानी से यह भाषा कहां से सीखी। क्लिप में जो बात सामने आती है वह स्वयं पात्रता नहीं है, जो दुर्भाग्य से, आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन यह बातचीत इसमें शामिल सभी लोगों के लिए कितनी सुपाठ्य थी। ऐसा लग रहा था कि हर कोई भाषा जानता है। हालाँकि, अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि उन्होंने यह भाषा कहाँ सीखी, बल्कि यह है कि वे दूसरी भाषा सीखने में कहाँ असफल रहे।

अनुपस्थिति को हम नजरअंदाज कर देते हैं फिर हम इस बात पर व्यापक बातचीत पर आते हैं कि हमारी शिक्षा प्रणाली में क्या कमी है, यह देखते हुए कि यह वह जगह है जहां हम अपने जीवन के कुछ सबसे रचनात्मक वर्ष बिताते हैं, और जहां हमारी कई मूल मान्यताएं बनती हैं। जो बात सामने आती है वह यह है कि भारत में सहमति–आधारित कामुकता शिक्षा के लिए कोई राष्ट्रीय ढांचा नहीं है। एक दस्तावेज के रूप में जो वादा किया गया था कि वह 21वीं सदी के लिए भारतीय शिक्षा को नया आकार देगा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों को सहमति, आनंद, शारीरिक स्वायत्तता या स्वस्थ संबंधों के बारे में सिखाने के लिए कोई रूपरेखा नहीं है। यह बच्चों और विशेषकर लड़कों को बताता है कि हम इच्छा, खुशी या सहमति जैसी चीजों पर चर्चा नहीं करते हैं। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि बच्चे लिंग और अंतरंगता पर शिक्षा के बिना बड़े होते हैं। इसके बजाय, वे उनके लिए कहीं और रुख करते हैं। यूनेस्को के व्यापक कामुकता शिक्षा ढांचे द्वारा एक अच्छी तरह से प्रमाणित रूपरेखा पेश की गई है। इसे 100 से अधिक देशों द्वारा अपनाया गया है और इसमें सहमति और शक्ति गतिशीलता सहित कामुकता के विभिन्न पहलुओं के बारे में आयु–उपयुक्त शिक्षा शामिल है। इससे जुड़े शोध में उन देशों में लिंग आधारित हिंसा में कमी और कामुकता–संबंधी दृष्टिकोण में बदलाव देखा गया है, जिन्होंने इसे लगातार लागू किया है। यह ज्ञान में अंतर को नहीं बल्कि इसमें शामिल न होने के लिए जानबूझकर किए गए विकल्प को दर्शाता है। निर्वात कौन भरता है? जो निर्वात उत्पन्न होता है वह मैनोस्फीयर द्वारा भर जाता है। यह यूट्यूब चौनलों, टेलीग्राम समूहों, एक्स थ्रेड्स और इंस्टाग्राम रील्स में एक विशाल सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र है। यह किशोरों सहित कई युवाओं पर तेजी से प्रभावशाली शक्ति बन गया है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा उन्हें बताता है कि पुरुषों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है, कि महिलाएं चालाकी कर रही हैं, कि नारीवाद पुरुषत्व के लिए खतरा है, और भावनाओं को खुले तौर पर व्यक्त करना ताकत के बजाय कमजोरी का संकेत है (सरकार, 2025)। अक्सर यहीं से सातत्य की शुरुआत होती है, खासकर भारतीय संदर्भ में। यह धारणा कि 370 रुपये की एक प्लेट बिरयानी खरीदने से एक पुरुष को एक महिला की सहमति का अधिकार मिल जाता है, यह लिंग–आधारित हिंसा के अन्य रूपों से उतना दूर नहीं है जितना कि यह प्रतीत हो सकता है। यह उसी अंतर्निहित धारणा से उपजा है जो वैवाहिक बलात्कार, घरेलू हिंसा और दहेज संबंधी दुर्व्यवहार को बढ़ावा देता है। मूल रूप से, ये व्यवहार अधिकार और इस धारणा में निहित हैं कि पुरुषों ने जो समय या पैसा निवेश किया है, उसके बदले में महिलाओं को पुरुषों से कुछ लेना–देना है। वे केवल वृद्धि की डिग्री और उपलब्ध कानूनी कवर के आधार पर भिन्न हैं। शोध भी इस संबंध का समर्थन करता है। अध्ययनों में लैंगिक हास्य के संपर्क और उच्च स्व–रिपोर्ट की गई बलात्कार की प्रवृत्ति (रोमेरो–सांचेज एट अल, 2010) के बीच एक सुसंगत संबंध पाया गया है। इसलिए, कॉमेडी मंच एक परिणाम–मुक्त क्षेत्र नहीं है, बल्कि एक कक्षा भी है। कक्षा से शुरुआत करें तो हम यहाँ से कहाँ जाएँ? नौकरी छूटने या इंस्टाग्राम के निष्क्रिय होने से उस तरह का सांस्कृतिक बदलाव आने की संभावना नहीं है जिसकी हमें जरूरत है। अगर हम चाहते हैं कि चीजें अलग हों, तो काम बहुत पहले शुरू करना होगा। इसका मतलब है कि हमें स्कूलों में व्यापक कामुकता और संबंध शिक्षा को शामिल करना चाहिए। इसका मतलब बच्चों को, विशेषकर लड़कों को यह सिखाना है कि इच्छा कोई लेन–देन नहीं है, आनंद कोई ऐसी चीज नहीं है जिसके केवल पुरुष हकदार हैं, और यह कि ष्नहींष किसी बातचीत की शुरुआत नहीं है। इसका मतलब युवाओं को यह समझने में मदद करना भी है कि अकेलापन, चाहे कितना भी दर्दनाक हो, कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे दूर करना किसी अन्य व्यक्ति के लिए जिम्मेदार है। अंतरंगता तभी अस्तित्व में रह सकती है जब वास्तविक और निरंतर सहमति हो। इसका अर्थ यह भी है कि लड़कों को बिना शर्म के रोने की अनुमति देना और ऐसे स्थान बनाना जहां वे नाराजगी और अधिकार में कठोर होने से पहले अपनी भावनाओं को नाम दे सकें और संसाधित कर सकें। लेकिन यह काम भी रोजमर्रा की बातचीत से ही शुरू होता है. इसकी शुरुआत बोलने से होती है जब कोई खाने की मेज पर या समूह बातचीत में बिरयानी का मजाक बनाता है और आगे बढ़ने से पहले हर कोई हंसता है। कॉमेडी क्लब में हंसी अकेले में नहीं उभरी।

होर्मुज जलडमरूमध्य का सबसे बड़ा ग्राहक

संजय

पहले हिसाब–किताब पर गौर करें। युद्ध से पहले, यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, हर दिन लगभग 20 मिलियन बैरल पेट्रोलियम लिक्विड होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाता था, जो दुनिया की खपत का लगभग पांचवां हिस्सा था, और इसका ज्यादातर हिस्सा पूर्व की ओर, चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया की ओर मुड़ जाता था। चीन से ज्यादा कोई भी देश उस जलमार्ग से गुजरने वाला सामान नहीं खरीदता। वेस्टर्न अलायंस के बाहर कोई भी देश इतना बड़ा माइन–काउंटरमेजर फ्लीट नहीं रखतारू ै नेवल वॉर कॉलेज के चाइना मैरीटाइम स्टडीज इंस्टीट्यूट के अनुसार, इस काम के लिए लगभग साठ च्स्।छ जहाज और क्राफ्ट समर्पित हैं, जिनमें बिना ड्राइवर वाले सरफेस वेसल और रिमोट से चलने वाली गाड़ियों को बेअसर करने की क्षमता दिखाने का क्रेडिट दिया गया है। और जिस देश ने माइन बिछाई थीं, ईरान, उसके पास उन्हें हटाने की कोई खास क्षमता नहीं है। फिर भी, जो सफाईकर्मी अब इस इलाके में इकट्ठा हो रहे हैं, वे यूरोपियन झंडे लहरा रहे हैं। त्थ। लाइम बे, जिसे 270 से ज्यादा लोगों और ऑटोनॉमस हंटिंग सिस्टम के साथ एक माइन–काउंटरमेजर्स मदरशिप के तौर पर फिर से तैयार किया गया है, फ्रेंच नाविकों के साथ मिडिल ईस्ट पहुँच गया है। ये जर्मन जहाजों फुलडा और मोसेल के साथ भ्डै ड्रैगन के एस्कॉर्ट में रवाना हुए थे। डच लोगों ने एक माइनस्वीपर को मेडिटेरेनियन में फिर से तैनात किया है, जहाँ से इसे कम समय में पूरब की ओर मोड़ा जा सकता है। इटली ने चार जहाजों की पेशकश की है, जो पार्लियामेंट्री मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। यूरोपियन कैपिटल्स ने सैद्धांतिक रूप से स्ट्रेट के लिए ब्रिटिश और फ्रेंच लीडरशिप वाले मल्टीनेशनल मिशन को मंजूरी दी है, और ब्रूसेल्स ने ऑपरेशन एस्पाइड्स को डीमाइनिंग का अधिकार देने का प्रस्ताव रखा है, यह एक ऐसा प्रस्ताव है जिसके लिए सत्ताईस सदस्य देशों की एकमत होने की जरूरत है और इसलिए यह अभी सिर्फ एक प्रस्ताव है। इस बीच, चीनी लड़ाई के क्रम में कहीं नहीं हैं। साफ सवाल, और मैं इसे लगातार पानी में और किनारे पर मौजूद अपने साथियों से सुनता हूँ, यह है कि बीजिंग यह काम आसानी से क्यों नहीं कर लेता। ईरान को स्ट्रेट साफ करने, अपना तेल का फ्लो ठीक करने और बदले में एक जिम्मेदार दूर–दराज की नेवी की इमेज बनाने में मदद करेंरू खाड़ी में असर, जहाज मालिकों का शुक्रिया, और वॉशिंगटन के लिए एक शांत सबक। यह कागज पर तो सही टैक्टिक्स है। यह हर स्ट्रेटेजिक लेवल पर गलत है, और इसके कारण हमें हल्स की गिनती से ज्यादा बताते हैं कि समुद्री ताकत असल में कैसे काम करती है। क्लीयरेंस सॉवरेनिटी है, सर्विस नहीं। माइन क्लियरेंस एक टेक्निकल फेवर जैसा लगता है। ऐसा नहीं है। यह सर्वे, क्लासिफिकेशन, आइडेंटि फिकेशन, न्यूट्रलाइजेशन और री–सर्वे का एक सीक्वेंस है जो अथॉरिटी के एक एक्टरू सर्टिफिकेशन में खत्म होता है। जो कोई भी किसी चौनल को सेफ सर्टिफाई करता है, वह असल में उस चौनल के लिए नेविगेशन अथॉरिटी बन जाता है। और उस अथॉरिटी की पहचान ही वह चीज है जिस पर अब विवाद है। तेहरान जोर देकर कहता है कि सिर्फ ईरानी सेना ही मैदान साफ करेगी और रास्ते का इंतजाम ईरान को करना है। उसकी नई स्ट्रेट अथॉरिटी ने चेतावनी दी है कि ईरान द्वारा मंजूर रूट के बाहर से गुजरने वाले जहाजों को सेफ रास्ते की गारंटी नहीं दी जा सकती। वॉशिंगटन का नजरिया इसके उलट हैरू कोई भी तटीय देश किसी इंटरनेशनल वॉटरवे पर एकतरफा शर्तें नहीं लगा सकता।

उस झगड़े में घुसने वाला चीनी जहाजी बेड़ा उसे नजरअंदाज नहीं करेगाय वह ऐसा रेफरी बन जाएगा जिस पर सब गोली चलाएंगे। अगर चीन ईरान के बुलावे पर घुसता है, तो वह सबके सामने यह सर्टिफाई करेगा कि ईरान अपनी खदानें खुद साफ नहीं कर सकता और साथ ही ईरान के कंट्रोल्ड–पैसेज सिस्टम को अंडरराइट करता है, वही सिस्टम जिसे पश्चिम, खाड़ी के प्रोड्यूसर और ज्यादातर जहाज मालिक मानने से मना करते हैं। अगर चीन ओमानी की मंजूरी और प्डव् फ्रेमवर्क के बिना घुसता है, तो यह, पश्चिमी और अरब की नजर में, दूसरे देश के कहे जाने वाले सिक्योरिटी जोन के अंदर एक जबरदस्ती वाला नेवल ऑपरेशन है। उस रीफ से होकर कोई ऐसी लेन नहीं है जिसमें चीन सबका ईमानदार ब्रोकर बनकर उभरे। स्ट्रेट लंदन में फिर से खुलता है, पानी में नहीं यही वह बात है जो ज्यादातर कमेंट्री में छूट जाती है, और यह एक प्रैक्टिशनर की बात है। कोई स्ट्रेट नेवी के ऐलान से फिर से नहीं खुलता। यह तब फिर से खुलता है जब वॉर–रिस्क अंडरराइटर पानी को रीक्लासिफाई करते हैं और प्रीमियम उस लेवल तक गिर जाते हैं जिस पर एक लदा हुआ बहुत बड़ा क्रूड कैरियर कमर्शियली चल सकता है। असल में, यह फैसला लंदन इंश्योरेंस मार्केट में लिया गया है, और मार्केट पहले ही दिखा चुका है कि वह शक होने पर कैसे रिएक्ट करता है। जब न्झडज्क के बताए रास्ते पर चलते हुए ओमान के पास एवर लवली पर हमला हुआ, तो प्डव् ने अपनी इवैक्युएशन की कोशिश रोक दी, और उस एक हादसे ने टनेज को दूर रखने में किसी भी कम्युनिकेशन से ज्यादा मदद की। जैसा कि एक वेस्टर्न एनालिस्ट ने माइनिंग कैंपेन के दौरान कहा था, आपको माइंस बिछाने की भी जरूरत नहीं हैय आपको बस लोगों को यकीन दिलाना है कि आपने बिछाई हैं। अब बीजिंग में साइन किए गए और तेहरान में काउंटरसाइन किए गए एक क्लीयरेंस सर्टिफिकेट को, जो किसी भी प्डव् या मल्टीनेशनल फ्रेमवर्क के बाहर जारी किया गया हो, उस मार्केट के मुकाबले तौलें। इसकी कोई कीमत नहीं होगी। चीन ऑपरेशन का पूरा मिलिट्री, लीगल और लायबिलिटी का बोझ उठाएगा, और टैंकर तब तक नहीं चलेंगे जब तक कि अंडरराइटर्स पर भरोसा करने वाली कोई अथॉरिटी पानी को साफ घोषित न कर दे। अगर बाद में एक भी कैरियर पर चीन द्वारा क्लियर की गई लेन में माइनिंग की गई, तो दुनिया के हर मालिक, चार्टरर, इंश्योरर और इंपोर्ट करने वाली सरकार की नजर में बीजिंग ही हादसे का जिम्मेदार होगा। यानी चीन व्यापार में कमी कर रहा है, और वह जानबूझकर कमी कर रहा है। उद्गम समस्या पानी में एक और शर्मिंदगी का इंतजार है। ईरान का भंडार, जिसकी अनुमानित संख्या हजारों में है, ज्यादातर पुराने सोवियत–पैटर्न के हथियार हैं, लेकिन इसकी नई तली और बढ़ती खदानें रूस, चीन और उत्तर कोरिया से हासिल की गई थीं, और रिपोर्टों ने लंबे समय से चीनी ईएम –52 रॉकेट–चालित बढ़ती खदान की ईरानी खरीद का संकेत दिया है। कथित तौर पर इस वर्ष तैनात किए गए हथियार, महम–3 लंगर प्रभाव वाली खदान और महम–7 निचली खदान, ध्वनिक और चुंबकीय सेंसर से सुसज्जित घरेलू डिजाइन हैं। यदि चीनी सफाईकर्मियों को इस क्षेत्र में शिकार करना होता, तो वे जो कुछ उठाते, उसका कुछ हिस्सा चीनी डिजाइन वंशावली या चीनी निर्यात कागजात ले जा सकता था। चीन ने अपनी गंदगी खुद साफ की यह वह शीर्षक है जिसे बीजिंग किसी को उपहार में नहीं देगा। एक इन्वेंट्री एक अभियान संबंधी क्षमता नहीं है यहां तक कि क्षमता का तर्क भी संख्याओं से कहीं अधिक पतला है। शिकार प्रभाव वाली खदानें धीमी, व्यवस्थित कार्य हैं सोनार पर संपर्क द्वारा संपर्क, वर्गीकरण, प्रत्येक पर एक आरओवी या गोताखोर, फिर पुनरू सर्वेक्षण, और फिर पुनरू सर्वेक्षण, क्योंकि एक साफ चौनल जिसे स्पष्ट साबित नहीं किया जा सकता है उसे बिल्कुल भी साफ नहीं किया जाता है।

हिंद–प्रशांत में नई धुरी : भारत–जापान साझेदारी से बदल सकती है क्षेत्रीय शक्ति संतुलन

रवि

इंडो–पैसिफिक कमांड से पैसिफिक कमांड पर वापस जाने के यूनाइटेड स्टेट्स के फैसले को लेकर चल रही बहस ने काफी अटकलें लगाई हैं। कुछ लोग इसे इंडो–पैसिफिक के लिए अमेरिका के कम कमिटमेंट का संकेत मानते हैं, जबकि दूसरे इसे सिर्फ एक ब्यूरोक्रेटिक एडजस्टमेंट मानते हैं। दोनों ही मतलब बड़े पॉइंट को मिस करते हैं। इस फैसले को शायद यूनाइटेड स्टेट्स की अपनी स्ट्रेटेजिक और नेशनल आइडेंटिटी की खोज के बड़े कॉन्टेक्स्ट में सबसे अच्छी तरह समझा जा सकता है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन मूवमेंट ने लगातार अमेरिका को उस समय से जोड़ने की कोशिश की है जिसे वे देश का सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद का गोल्डन एज घ्मानते हैं – एक ऐसा समय जब यूनाइटेड स्टेट्स ने बेमिसाल मिलिट्री ताकत, इकोनॉमिक कॉन्फिडेंस और ग्लोबल लीडरशिप दिखाई थी। दूसरी सिंबॉलिक पहल, जिसमें ष्डिपार्टमेंट ऑफ वॉरष टाइटल को फिर से शुरू करने और पुराने मिलिट्री बेस के नाम वापस लाने के प्रपोजल शामिल हैं, दुनिया में अमेरिका के मकसद की पहले की समझ को वापस पाने की एक बड़ी कोशिश को दिखाते हैं। कोई इस प्रोजेक्ट से सहमत है या नहीं, यह सेकेंडरी है। बड़ी ताकतें अपने भविष्य को बनाने के लिए समय–समय पर अपने इतिहास को दोबारा देखती हैं। अमेरिका आज ऐसा कर रहा है। अमेरिकी मिलिट्री कमांड के टाइटल पर बहस करने में उलझने के बजाय, भारत और जापान को एक अलग नतीजा निकालना चाहिए। अगर वॉशिंगटन अपनी स्ट्रेटेजिक कहानी को फिर से तय कर रहा है, तो अब समय आ गया है कि इंडो–पैसिफिक आइडिया के असली बनाने वाले अपनी कहानी को फिर से पक्का करें और उसे नया बनाएं। आज का इंडो–पैसिफिक कॉन्सेप्ट वॉशिंगटन में शुरू नहीं हुआ था। इसे सबसे मजबूती से जापान के स्वर्गीय प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने बताया था, जिनके ष्दो समुद्रों के संगमष के विजन ने हिंद और प्रशांत महासागरों को एक ही स्ट्रेटेजिक और सभ्यता की जगह पर ला खड़ा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस विजन को अपनाया और उसे आगे बढ़ाया, और समुद्री सहयोग से लेकर क्वाड तक की पहल के जरिए इसे प्रैक्टिकल रूप दिया। हालांकि, जैसे–जैसे इंडो–पैसिफिक को इंटरनेशनल पहचान मिली, इसका मतलब धीरे–धीरे छोटा होता गया। इसे ज्यादातर मिलिट्री अलायंस, स्ट्रेटेजिक कॉम्पिटिशन और चीन के उभरने से पैदा हुई चुनौती के नजरिए से समझा जाने लगा। ये मुद्दे आज भी जरूरी हैं, लेकिन इनका मकसद कभी भी इंडो–पैसिफिक को पूरी तरह से बताना नहीं था। असली विजन ज्यादा बड़ा और गहरा था। इंडो–पैसिफिक सिर्फ एक जियोपॉलिटिकल थिएटर नहीं है। यह दुनिया की सबसे पुरानी आपस में जुड़ी हुई सभ्यताओं की जगहों में से एक है। दो हजार साल से भी ज्यादा समय से, भारत, दक्षिण–पूर्व एशिया, चीन और जापान को जोड़ने वाले समुद्र न सिर्फ सामान बल्कि विचार, धर्म, टेक्नोलॉजी, कलात्मक परंपराएँ और ज्ञान के सिस्टम भी ले जाते रहे हैं। बौद्ध धर्म भारत से पूरे एशिया में फैला। हिंदू सांस्कृतिक असर ने पूरे दक्षिण–पूर्व एशिया में राज्यों को बनाया। चीनी सभ्यता ने कॉमर्स, स्कॉलरशिप, इनोवेशन और समुद्री लेन–देन के जरिए इस इलाके को बेहतर बनाया। इन सबने मिलकर, मॉडर्न देशों के बनने से बहुत पहले एक मजबूत एशियाई समुदाय बनाया।

यह साझी विरासत एशिया की सबसे बड़ी स्ट्रेटेजिक चीजों में से एक है। इंडो–पैसिफिक की कोई भी मतलब वाली सभ्यता की सोच चीन को नजरअंदाज नहीं कर सकती। आज के स्ट्रेटेजिक मतभेद असली हैं और कुछ मामलों में, गहरे भी। उन्हें साफ और असलियत के साथ मैनेज किया जाना चाहिए। फिर भी, चीन उन ऐतिहासिक लेन–देन में भी एक अहम हिस्सा रहा है जिसने सदियों तक एशिया को बनाया है। इस विरासत को पहचानने का मतलब आज के मतभेदों को नजरअंदाज करना नहीं है। बल्कि, यह मानना घ्है कि सिर्फ दुश्मनी के आस–पास एक टिकाऊ क्षेत्रीय व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। स्ट्रेटेजिक कॉम्पिटिशन बना रह सकता है, लेकिन इसे इंडो–पैसिफिक का ऑर्गनाइजिंग प्रिंसिपल बनने की जरूरत नहीं है। आज, अमेरिका और यूरोप दोनों अपनी सिविलाइजेशनल आइडेंटिटी के बारे में गहरी बहस में लगे हुए हैं। इतिहास, कल्चर, नेशनल मकसद और स्ट्रेटेजिक दिशा के सवाल घरेलू पॉलिटिक्स और फॉरेन पॉलिसी दोनों को तेजी से शेप दे रहे हैं। ऐसा खुद को समझना न तो अजीब है और न ही बुरा। बड़ी ताकतें समय–समय पर खुद को रीडिफाइन करती हैं। भारत और जापान को भी ऐसी ही एक्सरसाइज करनी चाहिए – लेकिन खास तौर पर एशियाई तरीके से। एक्सक्लूजन पर आधारित सिविलाइजेशनल नैरेटिव बनाने के बजाय, उन्हें कनेक्शन पर आधारित नैरेटिव बनाना चाहिए। इंडो–पैसिफिक को सदियों के इंटरेक्शन से जुड़े एक रीजन के तौर पर समझा जाना चाहिए और नेशनल सॉवरेनिटी का सम्मान करते हुए डायवर्सिटी को एडजस्ट करने में कैपेबल होना चाहिए। ऐसा अप्रोच साउथईस्ट एशिया को इंडो–पैसिफिक बातचीत के सेंटर में उसकी सही जगह पर वापस लाएगा – बड़ी ताकतों के कॉम्पिटिशन के एरिया के तौर पर नहीं, बल्कि इंडियन और पैसिफिक ओशन के बीच हिस्टोरिक ब्रिज के तौर पर। इसलिए एक नवीनीकृत इंडो–पैसिफिक दृष्टिकोण को कई स्तंभों पर आधारित होना चाहिए। सुरक्षा सहयोग अपरिहार्य रहेगा. आर्थिक एकीकरण जारी रहना चाहिए. तकनीकी सहयोग तेजी से महत्वपूर्ण हो जाएगा। लेकिन इन्हें शिक्षा, समुद्री विरासत, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, बौद्ध और ऐतिहासिक नेटवर्क, वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल कनेक्टिविटी और सतत विकास में गहन सहयोग द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सभ्यता को रणनीति का स्थान नहीं लेना चाहिएय इसे इसे समृद्ध करना चाहिए। जापानी प्रधान मंत्री साने ताकाची की नई दिल्ली की चल रही यात्रा इस बातचीत को शुरू करने का एक आदर्श अवसर प्रदान करती है। जबकि रक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग द्विपक्षीय एजेंडे पर उचित रूप से हावी है, दोनों नेताओं को इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि भारत और जापान संयुक्त रूप से इंडो–पैसिफिक अवधारणा की व्यापक बौद्धिक और सभ्यतागत नींव को कैसे बहाल कर सकते है।

डिजिटल इंडिया की 11 साल की विरासत

राहुल

यह पक्का करके कि टेक्नोलॉजी सबको शामिल करने, आसानी से मिलने और सबकी ताकत के लिए एक टूल की तरह काम करे, डिजिटल इंडिया चुपचाप उस विकसित भारत को बना रहा है जिसका हम 2047 के लिए सपना देखते हैं। बस एक दशक से थोड़ा ज्यादा पहले, उत्तर प्रदेश के एक दूर–दराज के गांव में एक किसान को सब्सिडी पाने या अपनी पैदावार बेहतर करने के लिए सलाह लेने के लिए कागजी कार्रवाई के जाल से गुजरना पड़ता था। यह वह जमाना था जब लाइन में इंतजार करना आम बात थी। आज, वही किसान अपनी फसलों के लिए मदद ले सकता है, और सब्सिडी बिना किसी बिचौलिए के सीधे उसके बैंक अकाउंट में जमा हो जाती है।

किसी भी गली में चलें और आपको एक और शांत क्रांति दिखेगी, जिसने जिंदगी को पूरी तरह से आसान बना दिया है। एक लोकल फल बेचने वाला या एक ऑटोरिक्शा ड्राइवर जो कभी पूरी तरह से कैश के फिजिकल लेन–देन पर निर्भर था, अब गर्व से अपनी गाड़ी/ऑटोरिक्शा पर लटके फत कोड की ओर इशारा करता है। आज भारत 102.86 करोड़ कनेक्टेड नागरिकों से ताकतवर है, जिसे 99.56 करोड़ के बड़े ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर बेस का सपोर्ट है। मोबाइल डेटा की कीमत 8 से 10 रुपये प्रति ळठ के बहुत सस्ते दाम पर, हर महीने डेटा का इस्तेमाल बढ़कर 24.01 GB हो गया है। इस डिजिटल बुनियाद ने नागरिक और सरकार के बीच के रिश्ते को पूरी तरह से बदल दिया है, इसे भरोसे, ट्रांसपेरेंसी और डिजिटल ऑटोनॉमी पर टिका दिया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, डिजिटल इंडिया ने साबित कर दिया है कि टेक्नोलॉजी को नागरिकों के लिए एक डेमोक्रेटिक इक्व लाइजर के तौर पर काम करना चाहिए, जिससे उन्हें जीने में आसानी हो और बिजनेस करने में आसानी हो। खाई को पाटना इस क्रांति में पहला कदम एक्सेस को डेमोक्रेटाइज करना और एक मजबूत, स्वदेशी डिजिटल आइडेंटिटी फ्रेमवर्क बनाना था जो टेक्नोलॉजिकल आत्मनिर्भरता की गारंटी देता है। भारतनेट पहल को बड़े पैमाने पर लागू किया गया, जिससे लगभग 2.2 लाख ग्राम पंचायतों को हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड से सफलतापूर्वक जोड़ा गया, जिससे यह पक्का हुआ कि भूगोल अब आर्थिक मौके के लिए रुकावट नहीं है। इस इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ी छलांग, 144 करोड़ आधार आइडेंटिटी के बनने के साथ, जन धन, आधार और मोबाइल ट्रिनिटी को ताकत मिली। इस सॉवरेन डिजिटल आइडेंटिटी फ्रेमवर्क का इस्तेमाल करके, सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सीधे नागरिकों को 51.5 लाख करोड़ रुपये सफलतापूर्वक ट्रांसफर किए हैं। इस सिस्टम ने लीकेज को असरदार तरीके से खत्म किया है, बिचौलियों को हटाया है, और लाखों परिवारों के हाथों में सीधे फाइनेंशियल ऑटोनॉमी देकर उनके जीवन को आसान बनाने में काफी सुधार किया है। एक बार नींव पड़ने के बाद, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने असल दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए समाधान बनाकर नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी को बदल दिया। क्पहपस्वबामत जैसे प्लेटफॉर्म ने नागरिकों और बिजनेस दोनों के लिए प्रोसेस को काफी आसान बना दिया है। 70 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स के पास 900 करोड़ से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स होने का दावा करते हुए, इसने फिजिकल पेपरवर्क की परेशानी को खत्म कर दिया है, जिससे KYC प्रोसेस और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन तुरंत हो गए हैं। एंटरप्राइजेज के लिए, इससे बैंकों, टेलीकॉम ऑपरेटरों और फिनटेक को ऑनबोर्ड करने की लागत और समय में काफी कमी आई है, अब कस्टमर को दिनों के बजाय सेकंडों में वेरिफाई किया जाता है। गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस के जरिए, सरकार ने 19.51 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदारी की है। एक छोटे मैन्युफैक्चरर या पहली बार बेचने वाले के लिए, यह सरकारी कॉन्ट्रैक्ट जीतने का एक बिजनेस मौका बन गया है, बिना किसी बिचौलिए के चक्कर लगाए। पब्लिक सर्विस को दूर से एक्सेस करने के लिए, UMANG एप्लिकेशन ने केंद्र और राज्य सरकार की सर्विस को सीधे नागरिकों तक पहुँचाया है। यह अब 11.6 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स को सर्विस देता है, 2,572 सरकारी सर्विस का एक्सेस देता है और अब तक 797.84 करोड़ ट्रांजैक्शन को आसान बनाता है। इस इकोसिस्टम का सबसे खास हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस है। सड़क किनारे फल बेचने वाले के फत कोड को जो चीज मजबूत बनाती है, वह एक सॉवरेन पेमेंट रेल है जो अब रोजाना 75 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन प्रोसेस करती है। आज, दुनिया के सभी रियल–टाइम डिजिटल पेमेंट में से लगभग आधे भारत में होते हैं, और IMF ने UPI को दुनिया का सबसे बड़ा रियल–टाइम पेमेंट सिस्टम माना है। यह उन 24 देशों के लिए जरूरी सहारा बन गया है जिनके साथ भारत ने अपने डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म को इस्तेमाल करने और अपनाने के लिए फॉर्मल तौर पर मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीए फाउंडेशन के परिणाम में जैद ने मारी बाजी

लखनऊ, संवाददाता। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से शुक्रवार को घोषित किए गए सीए फाउंडेशन परीक्षा परिणामों में लखनऊ चौप्टर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। परिणाम जारी होने के बाद सफल हुए छात्र–छात्राओं ने जश्न मनाया। उनके घरों व संस्थानों में मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। इस बार की परीक्षा में लखनऊ चौप्टर के जैद बेग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 400 में से 291 अंक हासिल कर राजधानी में टॉप किया। इसके अलावा परीक्षा में अर्शिया राईन और परी मलिक ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों ने 287–287 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से शहर में दूसरा स्थान हासिल किया। छात्र अपने परिणाम आईसीएआई की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर अपने रोल नंबर और रजिस्ट्रेशन नंबर की मदद से चेक कर सकते हैं।

आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में गेम चेंजर होगा थोरियम भंडार

लखनऊ, संवाददाता। रिवर बैंक कॉलोनी स्थित इंजीनियर्स भवन में शुक्रवार को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) की ओर से भारत का थोरियम मिशन पर तकनीकी व्यख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर उषा बाजपेयी ने कहा कि भारत के विशाल थोरियम भंडार देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने में गेम–चेंजर साबित होंगे। उन्होंने स्वच्छ, सुरक्षित और सतत ऊर्जा उत्पादन में थोरियम आधारित रिएक्टर प्रौद्योगिकी की भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आईईआई के अध्यक्ष पी सिंह ने कहा कि देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वदेशी और दीर्घकालिक स्रोतों का विकास अनिवार्य है। यह थोरियम मिशन भारत को पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा देने में सक्षम बनाएगा। कार्यक्रम में संयोजक प्रो. नीलम श्रीवास्तव, एनके निषाद व अन्य शामिल हुए।

आम महोत्सव का अजब नजारा : 50 ग्राम का अंगूरदाना, 5 किलो का गजानन

लखनऊ, संवाददाता। चारों ओर आम की खुशबू, रंग–बिरंगे फलों से सजे स्टॉल और मोबाइल से आमों की कई किस्मों के साथ सेल्फी लेते लोगों की भीड़। यह नजारा था इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को शुरू हुए आम महोत्सव का। तीन दिवसीय आम के इस महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। मलिहाबाद निवासी आम उत्पादक उपेंद्र कुमार सिंह के स्टॉल पर महज 50 ग्राम वजन वाला अंगूरदाना और चार से पांच किलो तक के वजन वाला विशाल गजानन आम लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। छोटे से अंगूरदाना को हथेली पर रखकर और गजानन को दोनों हाथों से उठाकर लोग तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक यह देखकर हैरान थे कि आम के आकार में इतना बड़ा अंतर भी हो सकता है।

यूपी के राजस्व में 1,568 करोड़ की बढ़ोतरी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में जून 2026 के दौरान प्रमुख कर एवं गैर–कर राजस्व मदों से 19,551 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो जून 2025 के मुकाबले 1,568 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शुक्रवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में प्रमुख कर राजस्व मदों में 60,825.60 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो निर्धारित लक्ष्य का 73.4 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में राज्य कर से 31,928.64 करोड़ रुपये, आबकारी से 15,812.21 करोड़ रुपये (95.8 प्रतिशत लक्ष्य) और परिवहन विभाग से 3,667.98 करोड़ रुपये (100.9 प्रतिशत लक्ष्य) का राजस्व प्राप्त हुआ।

जून माह में जीएसटी से 7,279 करोड़, वैट से 3,197 करोड़, आबकारी से 5,174 करोड़, परिवहन से 1,123 करोड़ तथा भू–तत्व एवं खनिकर्म विभाग से 428 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। हालांकि स्टांप एवं निबंधन से प्राप्त राजस्व 2,350 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष जून की तुलना में 316 करोड़ रुपये कम है।

प्रदेश में ठहरा मानूसन, तीन दिनों तक पड़ सकती है असहनीय गर्मी

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में आमद के बाद मानसून अचानक ठिठक गया है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी तीन दिन तक प्रादेशिक मानसूनी सक्रियता में कमी के आसार हैं। केवल मध्य प्रदेश से सटे जिलों में बारिश की संभावना जताई जा रही है। बाकी जगह बादलों की आवाजाही के बीच हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश में 30 जून को मानसून की आमद हो चुकी है। इसके बाद तेजी से आगे बढ़ते हुए दो जुलाई को पूरे प्रदेश में इसका असर दिखा। इसके बाद उत्तरी उड़ीसा तट के पास उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दाब क्षेत्र के प्रभाव से मौसमी द्रोणी अपनी वर्तमान स्थिति से दक्षिण की ओर खिसक गया है। इसके चलते प्रदेश में अन्य कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार तक प्रदेश में मानसूनी सक्रियता में कमी महसूस की जाएगी। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के दक्षिणी भाग और इससे लगे जिलों में हो रही वर्षा के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य भागों में मानसूनी गतिविधियां सीमित रहेंगी। तापमान में आंशिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। मंगलवार से प्रादेशिक मानसूनी सक्रियता में बढ़ोत्तरी के परिणामस्वरूप बारिश में एक बार फिर से बढ़ोतरी के आसार जताए जा रहे हैं। शुक्रवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान में कमी महसूस की गई। सबसे अधिक तापमान फतेहगढ़ में 38.4 डिग्री दर्ज किया गया। उरई में 38.2, बस्ती में 38 डिग्री और लखनऊ में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में मानसून की रफ्तार अब भी सुस्त बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, के तीन जुलाई तक के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक जून से अब तक सामान्य के मुकाबले 50 प्रतिशत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर टिकट बिक्री की जांच की मांग, स्वराज वाहिनी ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्वराज वाहिनी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल कथित स्टिंग ऑपरेशन का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा पैसे लेकर चुनावी टिकट दिए जाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि वायरल वीडियो और ऑडियो की फोरेंसिक जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित राजनीतिक दलों और पदाधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। संतोष मिश्र ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कुछ राजनीतिक दल कथित रूप से करोड़ों रुपये लेकर टिकट देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल स्टिंग ऑपरेशन में अपना दल (सोनेलाल) और जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के कुछ पदाधिकारियों के कथित बयान सामने आए हैं, जिनमें टिकट के बदले धनराशि लेने की बात कही गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वायरल वीडियो में अपना दल (सोनेलाल) के चित्रकूट जिलाध्यक्ष हेमराज सिंह कथित तौर पर चित्रकूट विधानसभा सीट के लिए दो करोड़ रुपये की मांग स्वीकार करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह पर भी एक वीडियो में एक करोड़ रुपये लेकर पार्टी पद और चुनावी टिकट देने की कथित बातचीत का आरोप लगाया गया है। संतोष मिश्र ने कहा कि यदि ये वीडियो और ऑडियो प्रमाणिक साबित होते हैं, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 सहित संबंधित कानूनों का गंभीर उल्लंघन होगा।

उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि वायरल वीडियो और ऑडियो की फोरेंसिक जांच कराई जाए, इसमें दिखाई दे रहे सभी व्यक्तियों और संबंधित राजनीतिक दलों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। साथ ही, चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने और आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने की भी मांग की।

जौनपुर से 151 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा पर रवाना, हर–हर महादेव के जयकारों से गूंजा शहर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार शाम जौनपुर से 151 श्रद्धालुओं का जत्था बाबा अमरनाथ के पवित्र दर्शन के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालु बेगमपुरा एक्सप्रेस और बसों के माध्यम से जम्मू–कश्मीर के लिए निकले। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

समिति पिछले 24 वर्षों से लगातार अमरनाथ यात्रा का सफल आयोजन कर रही है। इस वर्ष यात्रा का नेतृत्व तीर्थराज धर्मपाल श्नेताजीश कर रहे हैं। समिति के प्रमुख सेवादार अजय वर्मा ने बताया कि यात्रा में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और साधु–संतों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यात्रा से पहले सभी यात्रियों को अलग–अलग टोलियों में आवश्यक दिशा–निर्देश और सुरक्षा संबंधी जानकारी भी दी गई। रवाना होने से पूर्व श्रद्धालुओं का भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रेलवे स्टेशन से शुरू हुई यह यात्रा सब्जी मंडी, कोतवाली, चहारसू और ओलंदगंज होते हुए आगे बढ़ी। श्रद्धालुओं के हाथों में भगवा ध्वज और त्रिशूल थे, जबकि बैंड–बाजों की धुन तथा ष्बम–बम भोलेष् और ष्हर–हर महादेवष् के जयकारों से पूरा शहर शिवमय हो उठा। मार्ग में लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत कर उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। वर्मा ने बताया कि बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा दक्षिण कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित है। प्राकृतिक रूप से बनी इस गुफा में प्रतिवर्ष बर्फ से स्वयंभू शिवलिंग का निर्माण होता है, जिसके दर्शन के लिए देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य यानी अमर कथा सुनाई थी। इसी आस्था और श्रद्धा के साथ जौनपुर से निकला यह जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन कर सकुशल लौटने की कामना के साथ रवाना हुआ।

राष्ट्रीय पदक विजेता रोहित यादव के माता–पिता का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने किया सम्मान, खेल सुविधाओं को लेकर सरकार पर साधा निशाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में जेवलिन थ्रो स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर जौनपुर का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी रोहित यादव के मछलीशहर तहसील अंतर्गत पैतृक गांव अदारी डबिया पहुंचकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उनके माता–पिता का सम्मान किया। उन्होंने रोहित के पिता सभाजीत यादव और माता पुष्पा देवी को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती और देश की असली प्रतिभाएं गांवों तथा किसान परिवारों से निकलती हैं। उन्होंने कहा कि रोहित यादव ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर न केवल जौनपुर बल्कि पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए अजय राय ने कहा कि खेल मंत्री के गृह जनपद जौनपुर में ही खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त खेल सुविधाओं का अभाव सरकार की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जबकि युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर अपनी प्रतिभा को निखारें तथा देश का नाम रोशन करें। अजय राय ने राष्ट्रीय पदक विजेता रोहित यादव को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कराने का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, शहर अध्यक्ष आरिफ खान, संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सिंह सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति और अखंड भारत के संकल्प का प्रतीक - सुशील उपाध्याय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर सोमवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संगोष्ठी की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि एवं पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनने वाले डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। भारत के प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में डॉ. मुखर्जी की भूमिका ऐतिहासिक रही। वहीं जम्मू–कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका उद्घोषकृ ष्एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगेष् कृ आज भी देशवासियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, अदम्य साहस और अखंड भारत के प्रति समर्पण का प्रतीक है। राष्ट्र की एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके द्वारा दिया गया बलिदान भारतीय राजनीति के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि विकसित, आत्मनिर्भर और अखंड भारत का निर्माण ही डॉ. मुखर्जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संगोष्ठी को सुधाकर उपाध्याय, विकास शर्मा, दीपक सिंह, मांटो, कृष्ण कुमार जायसवाल एवं सुरेंद्र जायसवाल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अजय सरोज, पंकज मिश्रा, परविंदर चौहान, पुष्पा निषाद, नीरज मौर्य, अंशु कुशवाहा, राजकेशर पाल, संतोष मिश्र, धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ. देवी प्रसाद सिंह, राजेश गुप्ता, सुधांशु सिंह, घनश्याम यादव, आमोद सिंह, अमरनाथ पांडेय, रोहन सिंह, अमित पाठक, दिग्विजय सिंह, सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं जिले के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य यूपी – मंत्री सैनी

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर में शुक्रवार को प्रदेश सरकार के सहयोग से सातवें उत्तर प्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2026 का आयोजन हुआ। इस समिट में प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के रोडमैप पर मंथन हुआ। औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने यूपी को देश का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बताया। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, बेहतर कानून–व्यवस्था और पारदर्शी नीतियों से यह संभव हुआ है। निवेश के क्षेत्र में डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक हब बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने आधुनिक बस टर्मिनलों, इलेक्ट्रिक बसों और डिजिटल सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और मेट्रो के जाल से राज्य व केंद्र को नई ताकत मिलने का उल्लेख किया। उत्तर प्रदेश सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल का बेहतरीन उदाहरण है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने यूपी को वैश्विक पर्यटन की राजधानी बनने की ओर अग्रसर बताया। अयोध्या, काशी, मथुरा और बौद्ध सर्किट में विकास से रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है।

स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा व विद्युत अवसंरचना पर चर्चा

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साइबर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेषज्ञ संजय टार्डे ने ई–गवर्नेंस में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को बेहद अहम बताया। उद्योगपति विनम्र अग्रवाल ने उद्योगों के लिए मजबूत विद्युत अवसंरचना व स्मार्ट ग्रिड की आवश्यकता जताई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार घोष ने मानव संसाधन विकास के लिए मेडिकल कॉलेजों, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ के विस्तार को अत्यंत जरूरी कहा।

रेलवे का चौंकाने वाला खुलासा, 550 बार ट्रैक और ट्रेनों को बनाया निशाना

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में बीते डेढ़ वर्ष के दौरान रेलवे ट्रैक और ट्रेनों को करीब 550 बार निशाना बनाया गया है। अराजक तत्वों ने वंदे भारत जैसी ट्रेनों पर पत्थरबाजी की और ट्रैक पर खतरनाक वस्तुएं रखीं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने ऐसी घटनाओं वाले 250 हॉट स्पॉट चिह्नित किए हैं। इन हॉट स्पॉट पर जमीन से लेकर आसमान तक ड्रोन व सोलर कैमरों से निगरानी की जा रही है। आधे से अधिक हॉट स्पॉट पश्चिमी उप्र के मुरादाबाद और आगरा अनुभाग के जिलों में हैं। जीआरपी की मैपिंग से पता चला है कि ऐसी घटनाएं पूरे प्रदेश में फैली हैं, जिनमें बिहार के सीमावर्ती जिले भी शामिल हैं। दिल्ली से बिहार जाने वाला रेलवे का मुख्य मार्ग अराजक तत्वों के निशाने पर है। वीवीआईपी के सफर के दौरान भी ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं हुई हैं। इसकी रोकथाम के लिए जीआरपी ने 3000 से अधिक रेल मित्र बनाए हैं, जो व्हाट्सग्रुप से सूचनाएं जुटाते हैं। जांच में सामने आया है कि अधिकतर मामले रेलवे ट्रैक के पास बसी अवैध बस्तियों के आसपास होते हैं।

महिला की हत्या कर शव के टुकड़े करने वाला आरोपी 14 घंटे में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में रविवार को मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र में महिला की हत्या कर शव के टुकड़े कर अलग–अलग स्थानों पर फेंकने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 14 घंटे में खुलासा कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में मड़ियाहूं पुलिस ने सोमवार देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी हेमल खखरिया उर्फ दिलीप (42) को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय चौधरी ने बताया कि रविवार को रानीपुर बाईपास के पास झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का क्षत–विक्षत शव मिलने के बाद जांच शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर रामनगर ब्लॉक गेट के पास घेराबंदी की गई। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया और गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 4 जुलाई को मृतका रेशमा खां उर्फ सना को बाबतपुर (वाराणसी) से अपने किराए के कमरे पर लेकर आया था। मोबाइल चौट को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने सोते समय चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। पहचान छिपाने और शव ठिकाने लगाने के उद्देश्य से उसने गड़ासे से शव के हाथ–पैर काटकर तीन हिस्सों में बांट दिया। धड़ रानीपुर बाईपास के पास फेंक दिया, जबकि अन्य अंग रामनगर ब्लॉक मोड़ के आगे पुलिया के पास फेंक दिए। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य अंग, हत्या में प्रयुक्त चाकू व गड़ासा, .32 बोर की पिस्टल, कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। आरोपी के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने, पुलिस पर फायरिंग और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चढ़ावे की रकम से खरीदी गई कार बरामद

लखनऊ, संवाददाता। चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला को कस्टडी रिमांड पर लेकर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर ब्रेजा कार बरामद की। ये कार अविनाश ने चढ़ावा चोरी की रकम से खरीदी थी। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। वहीं, पूछताछ में उसने एक बड़ा खुलासा किया है। उसने कहा कि सभी आरोपी मिलकर लगभग हर बार लाखों रुपये पार करते थे। ये सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। जब एक साल पहले उसने नौकरी ज्वाइन की, तब से वह भी इसमें शामिल हो गया था। पुलिस ने रिमांड अवधि पूरी होने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे उसको जेल में दाखिल कराया। पुलिस ने 26 जून को टिन्नू यादव, सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा था। फिर कोर्ट से अनुमति लेकर आरोपियों से कोर्ट में जाकर पूछताछ की थी। उसके बाद अविनाश शुक्ला को रिमांड पर लेने की अर्जी दी थी, जो मंजूर हो गई थी। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे पुलिस अविनाश को लेकर जेल से निकली थी। कई घंटे तक एसओजी कार्यालय में पूछताछ करने के बाद उसकी निशानदेही पर ब्रेजा कार बरामद की। पुलिस जांच में सामने आया कि चढ़ावा चोरी की रकम से अविनाश ने ये कार खरीदी थी। इसके पहले अविनाश के पास से 20.39 लाख रुपये, एक हजार डॉलर भी बरामद हो चुके हैं।

इसलिए डर नहीं था, न रोक–टोक हुई

सूत्रों के मुताबिक, अविनाश ने बताया कि उसके साथ टिन्नू और सुभाष की मिलीभगत थी, इसलिए पकड़े जाने का डर नहीं था। टिन्नू कहता था कि कहीं कुछ नहीं होगा। फुटेज डिलीट कर दिए जाएंगे। बाकी यहां कोई पकड़ने वाला नहीं है। क्योंकि टिन्नू की ही जिम्मेदारी निगरानी की थी। अविनाश के मुताबिक, कभी भी उसको किसी भी सुरक्षाकर्मी या किसी अन्य ने टोका तक नहीं। इसलिए धड़ल्ले से रकम पार करता रहा।

छह वर्षीय किशोर की हत्या, किराएदार ने फिरौती के लिए रची थी साजिश– खडंहर में मिला शव

गोरखपुर, संवाददाता। सहजनवा कस्बे के वार्ड–9 पिपरा नई कॉलोनी से लापता छह वर्षीय मासूम अंशुमान सिंह की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में आरोपी किराएदार कल्पेश को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब एक माह पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। आर्थिक तंगी की वजह से उसने मासूम का अपहरण कर उसके पिता से फिरौती मांगने की साजिश रची थी। आरोपी ने पुलिस को बताया कि साजिश के तहत वह बच्चे को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया और वार्ड–10 स्थित लुचुई रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक बंद मकान के पीछे बने खंडहरनुमा कमरे में पहुंचा। वहां वह बच्चे के हाथ–पैर बांधने लगा। इसी दौरान बच्चे का सिर दीवार से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वह घबरा गया और शव को वहीं छोड़कर भाग निकला। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि पूरी साजिश उसने अकेले रची थी और उसकी पत्नी की इसमें कोई भूमिका नहीं है। पिपरा नई कॉलोनी निवासी विनय सिंह उर्फ कन्हैया का छह वर्षीय पुत्र अंशुमान यूकेजी का छात्र था। पांच बजे वह घर के बाहर फुल्की खाने के लिए निकला था। कुछ देर बाद वह लौटा और फिर बाहर चला गया। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और अपहरण की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने रातभर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और खोजी कुत्तों की मदद से तलाश की। जांच में एक मैरिज हॉल के पास लगे कैमरे में बच्चा किराए पर रहने वाले कल्पेश के साथ जाता हुआ दिखाई दिया। इसी आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन सख्ती से पूछताछ में टूट गया और उसकी निशानदेही पर शुक्रवार को शव बरामद कर लिया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी डॉ. कौस्तुभ मौके पर पहुंचे और परिजन से मुलाकात की। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मासूम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

शव लाने के नाम पर वसूली पर डीएम सख्त

गोरखपुर, संवाददाता। शव लाने और पहुंचाने के नाम पर वसूली पर डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने सीएमओ की पेच कसी। शुक्रवार को सीएमओ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और दीवारों पर शव वाहन चालक और नोडल डॉ. अवधेश गुप्ता का मोबाइल नंबर लिखवाया। कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव को तय स्थान तक शव वाहन से पहुंचाया जाएगा। पोस्टमार्टम कराने आने वाले लोगों को बैठने के लिए शेड, पंखा और वाटर कूलर लगवाया जाएगा। करीब छह दिन पूर्व हाटा कोतवाली क्षेत्र के सवांगी पट्टी डुमरी की माधुरी देवी, बहू शालू पड़ोस के युवक विवेक सिंह के साथ बाइक से गोरखपुर इलाज कराने जा रही थीं। हाटा–पिपराइच मार्ग पर हादसे में तीनों की मौत हो गई थी। हाटा सीएचसी से पोस्टमार्टम के लिए शव लाने और पोस्टमार्टम के बाद शव ले जाने के लिए साढ़े तीन हजार रुपये देने पड़े थे। डीएम से पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत की। इसी तरह विशुनपुरा थाना क्षेत्र में छोटेलाल की मछली के शिकार करने के दौरान डूबकर मौत हो गई थी।

उनका शव लाने और पोस्टमार्टम के बाद पहुंचाने के लिए लोगों को चंदा लगाकर किराया देना पड़ा था। डीएम ने इसे गंभीरता से लिया और सीएमओ को जांच कर इसमें लिप्त लोगों पर कार्रवाई रिपोर्ट तलब की। शुक्रवार को सीएमओ डॉ. चंद्रप्रकाश पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे। निरीक्षण करने के बाद सीएमओ के निर्देश पर दीवारों पर चालक पशुपति मिश्र, अशोक गौड़ और पोस्टमार्टम हाउस के नोडल डॉ. अवधेश कुशवाहा का मोबाइल नंबर लिखवाया। शव के पोस्टमार्टम के दौरान आने वाले लोगों के बैठने के लिए पोस्टमार्टम हाउस के पीछे कैंपस में शेड, पंखा व वाटर कूलर, कुर्सी लगवाने का खाका तैयार किया गया। सीएमओ कार्यालय से एक शव वाहन पोस्टमार्टम पर 24 घंटे रहता है। पोस्टमार्टम के बाद शव को घर तक निशुल्क पहुंचाने की व्यवस्था है, लेकिन पोस्टमार्टम हाउस के कर्मियों की मिलीभगत से निजी एंबुलेंस का इस्तेमाल किया जाता था।

सरयू नदी में दो मोटरबोट की टक्कर, एक ही परिवार के पांच लोग गिरे–नाविकों ने बचाया

गोरखपुर, संवाददाता। बड़हलगंज के उपनगर में सरयू नदी के मुक्तिपथ रामकवल शाही घाट पर शुक्रवार सुबह मोटरबोट पलटने से अफरा–तफरी मच गई। मोटरबोट पर सवार एक ही परिवार के पांच सदस्य नदी में गिर गए। हालांकि सभी ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। घाट पर मौजूद नाविकों की तत्परता और सूझबूझ से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसा दो मोटरबोट के टकराने से हुआ। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 10:15 बजे गगहा क्षेत्र के गरयाकोल निवासी दीपक साहनी अपने परिवार के साथ एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने बड़हलगंज आए थे। इसी दौरान दीपक साहनी, उनकी पत्नी रिंकी साहनी, बहन सीमा, बहनोई सुनील और भांजा यश मोटरबोट से सरयू नदी की सैर के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि नदी के बीच पहुंचने पर उनकी मोटरबोट दूसरी मोटरबोट से टकरा गई। टक्कर के बाद बोट असंतुलित होकर पलट गई और नाविक समेत सभी लोग नदी में गिर पड़े। घटना से घाट पर अफरा–तफरी मच गई। घाट पर मौजूद चालक धर्मेंद्र, नागेंद्र और निर्भय तत्काल अपनी मोटरबोट लेकर नदी में पहुंचे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौके पर मौजूद आपदा मित्र घनश्याम और सुरीन ने भी मदद की। उधर, घटना की सूचना मिलते ही मुक्तिपथ व्यवस्थापक महेश उमर रामकवल शाही घाट पहुंचे। उन्होंने सुरक्षित बचाए गए लोगों का हालचाल लिया और साहस व तत्परता दिखाने वाले नाविकों की सराहना की। सूचना पर एसडीएम अमित जायसवाल और तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों के अनुसार, रामकवल शाही घाट पर छह से अधिक मोटरबोट संचालित होती हैं। लोगों का कहना है कि अधिकांश चालकों के पास मोटरबोट संचालन का मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण प्रमाणपत्र नहीं है। इस घटना के बाद घाट पर सुरक्षा मानकों और मोटरबोट संचालन की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

लापता छात्र का शव मिला

गोरखपुर, संवाददाता। गुलरिहा थाना क्षेत्र से करीब दो साल पहले लापता 15 वर्षीय छात्र राजस्थान के अजमेर में मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह घर से नाराज होकर यूट्यूबर 'इंडियन हैकर' से मिलने के लिए अजमेर पहुंचा था। उससे न मिल पाने पर उसने वहीं एक होटल में काम करना शुरू कर दिया। पुलिस ने फेसबुक फोटो के जरिये उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे सकुशल खोज लिया। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी निवासी छात्र तीन सितंबर 2024 की सुबह स्कूल के लिए निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजन ने काफी तलाश के बाद उसी दिन थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और अपहरण की आशंका जताई थी। परिजन के अनुसार, घटना से एक दिन पहले पिता ने पढ़ाई को लेकर उसे डांटा था, जिससे वह नाराज था। उस रात वह चुपचाप सो गया और अगली सुबह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकल गया। जब वह स्कूल से देर शाम तक वापस नहीं आया तो परिवार घबरा गया। स्कूल और रिश्तेदारों में तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। करीब 22 माह बाद 10 दिन पहले परिजन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में छात्र की तस्वीर देखी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में लोकेशन राजस्थान के अजमेर में मिली। पुलिस टीम मंगलवार को अजमेर रवाना हुई, जहां स्थानीय पुलिस की मदद से तलाश शुरू की गई। फोटो के आधार पर खोजबीन के दौरान एक होटल में काम करता हुआ छात्र मिल गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह यूट्यूबर 'इंडियन हैकर' से मिलने के लिए घर से नाराज होकर निकला था। अजमेर पहुंचने के बाद जब उससे मुलाकात नहीं हो सकी तो उसने वहीं होटल में काम शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थानीय टीम की मदद से उसे खोजकर परिजन से फोन पर बातचीत कराई, जिसमें सभी भावुक हो गए।

फरियादियों को न्याय दिलाना व क्षेत्र को अपराध मुक्त रखना सीओ रुदौली की प्रमुख प्राथमिकता

अयोध्या।रुदौली सर्किल मे फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाना तथा क्षेत्र को अपराध मुक्त रखना नवागत सीओ रुदौली अरविंद सोनकर की प्रमुख प्राथमिकता है।यह बातें उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते समय बताई।उन्होंने अपराधियों को सख्त चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह अपराध छोड़ दें या फिर उनके रहते रुदौली सर्किल क्षेत्र।कहा कि अगर कोई भी अराजक तत्व या अपराधी समाज मे आपराधिक कार्य करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने फरियादियों से कि अगर उनके सर्किल मे संबंधित थानों पर थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारी द्वारा समस्याओं को नहीं सुना जाता है तो वे वेहिचक अपनी समस्या को उनसे कह सकते हैं या फिर उनके सीयूजी नंबर पर बता सकते हैं।मालूम हो कि अपराध पर अंकुश लगाने और जनविश्वास कायम रखने के उद्देश्य से एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने सीओ राम जन्मभूमि व सदर रह चुके अरविंद सोनकर पर भरोसा जताते हुए रुदौली सर्किल की कमान संभाली है।बताते चले कि सीओ रुदौली अरविंद सोनकर एक सुलझे हुए पुलिस अधिकारी है।इससे पहले सीओ सदर के रूप में उन्होंने अपनी कार्यशैली, जनसुनवाई और प्रभावी पुलिसिंग से अलग पहचान बनाई थी।राम जन्मभूमि क्षेत्र जैसे अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण दायित्वों के निर्वहन में भी उनकी भूमिका सराहनीय रही है।पुलिस महकमे में उनकी पहचान ऐसे पुलिस अधिकारियो मे की जाती है जो फरियादियों की समस्या गंभीरता से सुनते हैं,वहीं अपराध और अपराधियों के प्रति सख्त रुख अपनाते हैं।रुदौली सर्किल में उनकी तैनाती को क्षेत्र की कानून–व्यवस्था के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है।आम नागरिकों को जहां निष्पक्ष सुनवाई और त्वरित कार्रवाई की उम्मीद है,वहीं अपराधी तत्वों में पुलिस की बढ़ती सक्रियता को लेकर बेचौनी देखी जा रही है।मालूम हो कि एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के नेतृत्व तथा एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के दिशा–निर्देशन में रुदौली सर्किल में अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था और जनसुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है।

एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि कानून का पालन करने वालों को पूरा सम्मान मिलेगा,जबकि अपराध और अराजकता फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जनपद शाखा में आजीवन सदस्यता पहचान–पत्र वितरण अभियान का हुआ शुभारंभ'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जनपद शाखा कार्यालय में स्थानीय स्तर पर तैयार किए गए आजीवन सदस्यता पहचान–पत्रों के वितरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद के प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ रवि मोहन तथा डॉ संगीता मोहन ने अपने तथा परिवार के सदस्यों पुत्र कार्तिक मोहन एवं पुत्री वर्तिका मोहन के आजीवन सदस्यता पहचान–पत्र प्राप्त किए तथा बच्चों को भी रेडक्रॉस की आजीवन सदस्यता दिलाकर मानव सेवा के इस पुनीत अभियान से जोड़ा। शुभारम्भ से पूर्व डॉ रवि मोहन तथा डॉ संगीता मोहन ने पुष्पांजलि अर्पित किये ततपश्चात् रेडक्रॉस के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी ने रेडक्रॉस का मैडल पहनाकर तथा बैच लगाकर उनका स्वागत किया। डॉ रवि मोहन ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जाति,धर्म,वर्ग एवं किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर उठकर निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करने वाला विश्व का अग्रणी मानवीय संगठन है। उन्होंने जनपद के प्रतिष्ठित परिवारों से रेडक्रॉस की सदस्यता ग्रहण कर सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। डॉ संगीता मोहन ने कहा कि सफेद पृष्ठभूमि पर अंकित लाल क्रॉस का चिन्ह मानवता, चिकित्सा सहायता, राहत एवं निःस्वार्थ सेवा का वैश्विक प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के सात मूल सिद्धांतकृमानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता एवं सार्वभौमिकताकृसमाज को सेवा, सहयोग और सद्भाव का संदेश देते हैं। रेडक्रॉस के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि डॉ रवि मोहन एवं डॉ संगीता मोहन जनपद के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं समाजसेवी हैं उनके द्वारा अपने पूरे परिवार सहित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की आजीवन सदस्यता ग्रहण करना मानव सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने बताया कि जनपद के अनेक प्रतिष्ठित परिवार, जिनमें उनका अपना परिवार भी पूर्व से ही रेडक्रॉस का आजीवन सदस्य है, परिवार सहित इस मानवीय अभियान से जुड़े हुए हैं। ऐसे परिवार समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह जनपद में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे परिवारों की सहभागिता से रेडक्रॉस की जनसेवा गतिविधियों से और अधिक मजबूती मिलेगी। डॉ रवि मोहन एवं डॉ संगीता मोहन ने रेडक्रॉस के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी के समर्पित एवं अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद की रेडक्रॉस सोसाइटी ने सेवा, राहत एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहचान स्थापित की है तथा जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। रेडक्रॉस के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी ने जनपद के सभी आजीवन सदस्यों से अपील की,कहा कि वे अपनी सदस्यता रसीद, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो एवं मोबाइल नंबर के साथ जिला शाखा कार्यालय में संपर्क कर अपना आजीवन सदस्यता पहचान–पत्र शीघ्र प्राप्त करें। इस अवसर पर मुरारी दीक्षित एवं ऊँ दिव्यांगजन कल्याण समिति के बालकृष्ण पाण्डेय,बृजेश गुप्ता, चन्द्रसेन वर्मा,रवि बाबू,रामकुमार सक्सेना,अशोक अग्रवाल,मुनीश कुमार वर्मा,शिवसरन सिंह,रमा देवी शीला देवी,राजीव राठौर,इमरान खान,अवनीश सक्सेना आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में रेड क्रॉस सचिव ने सभी का आभार प्रकट करते हुए मानव सेवा में सभी से सहयोगी भूमिका की अपेक्षा की।

मिशन शक्तिअभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ को किया जागरुक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोमवार को मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला आरक्षी नीलम यादव महिला पीआरडी संतोषी व अन्य महिला पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय,अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया है।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

शासन से 158 बीईओ पदोन्नति बनाकर बने वरिष्ठ प्रवक्ता डायट

अयोध्या।विभिन्न जिलों मे तैनात 5 बीईओ पदोन्नति पाकर वरिष्ठ प्रवक्ता के रुप मे डायट मे वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में तैनाती हुई है।बताते चले शासन से 158 बीईओ की पदोन्नति वरिष्ठ प्रवक्ता डाइट पर हुई है।जिसमें से विभिन्न जिलों में तैनात 5 बीईओ पदोन्नति पाकर डाइट अयोध्या में भी भेजे गए हैं।बताते चले कि पदोन्नति पाने वालों में इससे पूर्व पहले भी अयोध्या जनपद में खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में तेज तर्रार, व्यवहार कुशल व अनुभवी शिक्षाधिकारी ममता सिंह का नाम शामिल है। वे पूर्व मे बीएसए कार्यालय तथा खंड शिक्षा अधिकारी मसौधा के अलावा गोंडा,बलरामपुर, व वर्तमान समय में बस्ती जिले में खंड शिक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।उनके अलावा खंड शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर रामतीर्थ, खंड शिक्षा अधिकारी अमेठी रामकिशन कश्यप,खंड शिक्षा अधिकारी गोण्डा चंद्रभूषण पांडे, तथा खंड शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर अनिल कुमार मिश्रा को भी वरिष्ठ प्रवक्ता डायट अयोध्या बनाया गया है।

शाम होते ही रीडगंज– देवकाली संपर्क मार्ग पर हो जाता है अंधेरा

अयोध्या।शहर के रीडगंज तिरहा,गुलाब बाड़ी,शक्तिनगर कालोनी, देवकाली मार्ग पर शाम होते ही अंधेरा हो जाता है।जिसके चलते यहां पर आए दिन कोई ना कोई अनहोनी घटना होती रहती है।डिवाइडर पर लगे विद्युत पोलो पर आज तक लाइट नहीं जलती दिखाई दे रही है।बताते चले शाम होते ही इस मार्ग पर अंधेरा हो जाता है।स्थानीय लोगों की माने तो अंधेरा होने से लूट, छिनैती सहित अन्य आपराधिक घटनाये गुलाब बाड़ी, शक्ति नगर कॉलोनी के सामने, मद्रास हैंडलूम के सामने, रीडगंज रेलवे लाइन के ऊपर ओवर ब्रिज सहित अन्य प्रमुख जगहों पर घटती है। परंतु इस गंभीर समस्या पर ना तो इस विभाग से संबंधित अधिकारी लाइट जलाने की जहमत उठा रहे हैं और ना ही सुरक्षा कर्मी सुरेश बढाने की।जिसके चलते स्थानीय लोगों के अलावा इधर से गुजरने वाले राहगीरों में आक्रोश व्याप्त है।

कैंसर से पीड़ित सपा वरिष्ठ नेता को पूर्व सपा मंत्री तेज नारायण पांडे ने दिया चेक

अयोध्या।पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे वरिष्ठ नेता राम रंग यादव को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा दी गई ध्500000 की आर्थिक सहायता देकर स्वस्थ होने की कामना की।इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज में या पार्टी में जब भी कोई गंभीर बीमारी से पीड़ित होता है तो जिसको जैसी आवश्यकता होती है।उसकी मदद करते रहते हैं उन्होंने कहा यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि संवेदनाओं आत्मयता और अपने प्रत्येक कार्यकर्ता के प्रति परिवार जैसा स्नेह रखने की भावना का सशक्त उदाहरण है।उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की श्री राम रंग शीघ्र पूर्णतया स्वस्थ होकर पुनः सक्रिय जीवन में लौटे प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ऐसे एक नेता है जो सरकार में ना रहते हुए भी अयोध्या विधानसभा में बिना किसी जाति धर्म या पार्टी को देखें बिना कैंसर जैसी बीमारी या अन्य किसी प्रकार की परेशानी से जूझ रहे बहुत से लोगों को अपने स्वयं के आर्थिक मदद से एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा दी गई मदद को घर–घर जाकर प्रदान किया है।आगे आवश्यकता पड़ने पर भी उन्होंने अपने पास से मदद करते हुए सभी के सुख–दुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं उन्होंने कहा अयोध्या विधानसभा की जनता उनके व्यवहार कुशलता एवं मेहनत को देखते हुए आने वाले 2027 की विधानसभा चुनाव में अयोध्या से इन्हें पूर्ण बहुमत से जीता कर उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव की सरकार बनाएंगे जिससे प्रदेश में फिर से अमन चौन एवं तरक्की आ सके

रायबरेली स्थानांतरण पर पुलिस महकमे ने सीओ रुदौली को दी विदाई

अयोध्या। सीओ रुदौली रहे आशीष निगम का रायबरेली जिले मे स्थानांतरण हो गया।इस मौके पर सीओ रुदौली आशीष निगम के सम्मान मे पुलिस कर्मियों ने विदाई समारोह आयोजित किया।पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।विदाई समारोह के दौरान सहकर्मियों ने उनके कार्यों की प्रशंसा की और नए जनपद में भी सफल कार्यकाल की कामना की।समारोह भावुक माहौल में संपन्न हुआ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।